भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3428

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

रामेश्वरम मंदिर क्षेत्र में पर्यटन में सुधार

†3428. श्री नवसकनी के.:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का रामेश्वरम मंदिर, जहां सम्पूर्ण देश से प्रतिदिन लाखों लोग आते हैं, के आस-पास के क्षेत्रों में पर्यटन में सुधार करने के लिए कोई विशेष योजना बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का रामनाथपुरम जिले में सुन्दर समुद्र तटों को विकसित करने और उन्हें पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की ऐतिहासिक धनुषकोडी क्षेत्र को विकसित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' नामक अपनी चल रही योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को तमिलनाडु सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत 73.13 करोड़ रु. की लागत से '(चेन्नई-मामल्लापुरम-रामेश्वरम-मानपाडु-कन्याकुमारी) का विकास' नामक परियोजना को तटीय परिपथ के अंतर्गत स्वीकृति दी है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन-2 की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक उप-योजना के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस उप-योजना का उद्देश्य पर्यटक अनुभव के संवर्धन हेतु गंतव्य का समग्र विकास करना है। मंत्रालय ने तमिलनाडु में 'रामेश्वरम द्वीप' और 'तंजावुर' सहित देश में सीबीडीडी के तहत 42 गंतव्यों को चिह्नित किया है।

*****